भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2054

दिनांक 30 जुलाई, 2026 को उत्तरार्थ

.....

मेरठ में बाढ़ प्रबंधन

2054. श्री अरुण गोविलः

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) हरिद्वार और बिजनौर के बीच गंगा नदी पर स्थित बैराजों का ब्यौरा और उनकी कुल संख्या कितनी है;

(ख) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि मानसून के दौरान बिजनौर बैराज से अतिरिक्त पानी छोड़े जाने के कारण मेरठ जिले के कई गांव बाढ़ से प्रभावित होते हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और बाढ़ की समस्या के स्थायी समाधान के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदम कौन-कौन से हैं;

(ग) क्या सरकार ने बिजनौर बैराज से अतिरिक्त पानी की सुरक्षित निकासी और मेरठ जिले में बाढ़ की समस्या का स्थायी समाधान प्रदान करने के लिए किसी वैकल्पिक जल निकासी परियोजना या नहर के निर्माण की संभावना के संबंध में कोई अध्ययन कराया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके निष्कर्ष क्या हैं; और

(घ) क्या इस प्रकार के अध्ययन में अतिरिक्त पानी को काली नदी या किसी अन्य उपयुक्त जलमार्ग में मोड़ने की संभावना की जांच की गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री
(श्री राज भूषण चौधरी)

(क): हरिद्वार और बिजनौर के बीच गंगा नदी पर सिंचाई के उद्देश्य से दो बैराज बने हैं, नामतः हरिद्वार ज़िले में भीमगोड़ा बैराज और बिजनौर ज़िले में चौधरी चरण सिंह मध्य गंगा बैराज।

(ख): बाढ़ प्रबंधन और कटाव-रोधी योजनाएँ, संबंधित राज्य सरकारें अपनी प्राथमिकताओं के अनुसार बनाती और कार्यान्वित करती हैं। केंद्र सरकार, गंभीर क्षेत्रों में बाढ़ प्रबंधन के लिए तकनीकी मार्गदर्शन और प्रोत्साहनात्मक वित्तीय सहायता प्रदान कर राज्यों के प्रयासों में सहायता करती है।

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सूचित किया गया है कि मेरठ ज़िले में गंगा नदी की कुल लंबाई लगभग 48.00 किलोमीटर है। मॉनसून के मौसम में बाढ़ के प्रतिकूल प्रभाव को कम करने के लिए, मेरठ ज़िले में 10.80 किलोमीटर लंबा हस्तिनापुर तटबंध बनाया गया है। यह तटबंध मुज़फ़्फ़रनगर ज़िले में पहले से निर्मित रामराज तटबंध को आगे बढ़ाते हुए बनाया गया है। यह तटबंध 7,915 लोगों की आबादी को बाढ़ से सुरक्षा देता है और नदी के दाहिने किनारे पर बसे 15 गांवो, नामतः, फतेहपुर प्रेम, हरिपुर, डबखेड़ी, शेरपुर, शिरजेपुर, रुस्तमपुर उर्फ भिकुंड, हादीपुर गांवरी, परसापुर हंसापुर, भागुपुर, मानपुर, राठोडा कलां, लतीफ़पुर, चमराउड, कुन्हाइदा, रूपडा, लालपुर और मनोहरपुर की लगभग 6,936.20 हेक्टेयर कृषि भूमि की सुरक्षा करता है।

इसके अतिरिक्त, उत्तर प्रदेश के मेरठ और बिजनौर ज़िलों में गंगा नदी पर केंद्र सरकार की 'बाढ़ प्रबंधन और सीमावर्ती क्षेत्र कार्यक्रम' (एफएमबीएपी) योजना के अंतर्गत जारी 20.97 करोड़ रुपए की केंद्रीय सहायता से बाढ़ प्रबंधन की दो परियोजनाएं पूरी की गई जिसकी कुल लागत 41.41 करोड़ रुपए है।

(ग) और (घ): उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सूचित किया गया कि इस प्रकार का कोई अध्ययन नहीं किया गया है।

*****